समुद्री घोडे की कहानी

एक बार एक समुद्री घोडा कुछ पैसे ले कर अपना भाग्य आजमाने के लिए निकल पड़ा. कुछ ही दूरी पर उसे एक ईल मछली मिली जो बोली,

"सुनो, कहां जा रहे हो ?"

समुद्री घोडे ने गर्व से कहा **"मैं अपना भाग्य आजमाने जा रहा हूँ।.**

ईल बोली, **"फिर तो तुम्हारी किस्मत अच्छी है. मैं चार रुपए में तुम्हे तैरने का यह साधन देती हूँ जिससे तुम अधिक तेज तैर सकोगे."**

समुद्री घोडे ने कहा **"बहुत अच्छा।"** समुद्री घोडा तैरने का साधन खरीद कर दो गुनी गति से चल पड़ा.

शीघ्र ही उसे स्पंज नामक जीव मिला जिसने पूछा, **"सुनो, कहां जा रहे हो ?"**

समुद्री घोडे ने कहा, **"मैं अपना भाग्य अजमाने जा रहा हूँ ."**

स्पंज बोला, **"फिर तो तुम्हारी किस्मत अच्छी है. यह सस्ता जेट से चलने वाला स्कूटर ले जाओ तो तुम और अधिक तेज तैर सकोगे."**

समुद्री घोडे ने अपने बचे–खुचे पैसे स्पंज को दे कर स्कूटर खरीद लिया और पांच गुनी गति से तैरता हुआ आगे बढ़ गया.

कुछ दूर जाने पर उसे एक बड़ी शार्क मछली मिली जिसने पूछा, **"सुनो, कहां जा रहे हो ?"**

समुद्री घोडे ने जवाब दिया, **"मै अपना भाग्य अजमाने जा रहा हूँ." शार्क बोली, "फिर तो तुम्हारी किस्मत अच्छी है. इस छोटे रास्ते से जाओ तो तुम अपना बहुत सा समय बचा पाओंगें।"** ऐसा कह कर शार्क ने अपने खुले मुंह की और इशारा किया.

समुद्री घोडे ने कहा, **"बहुत धन्यवाद !"** और सीधे शार्क के मुंह में होता हुआ उसके पेट में पहुंच गया और वहां हजम हो गया.

इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि यदि आपको यह अच्छी तरह पता न हो कि आपको कहां जाना है, तो आप किसी गलत जगह पहुंच जाएंगे और आपको पता भी न चलेगा.

प्रिपेरिंग इन्स्टक्शनल ऑब्जेक्टिव्स
रॉबर्ट मेगर
फियरसन पब्लिशर्स

iLrkouk

जैसा कि रॉबर्ट मेगर ने बहुत ही सुन्दर तरीके से समुद्री घोडे की कहानी का वर्णन किया है। यदि एक प्रशिक्षक के रूप में आपको यह पता न हो कि आपको कहां जाना है तो इस बात की संभावना कम ही होगी कि सीखने वाले (प्रशिक्षणार्थी) को यह पता हो. आप शार्क मछली के पेट में न भी पहुंचे तो तय है कि आप अपना स्वयं का और आपके प्रशिक्षणार्थी का समय और आपके नियोक्ता (Employer) की काफी धनराशि बर्बाद कर चुके होंगे.

यह प्रश्न पूछना सबसे महत्वपूर्ण है : "प्रशिक्षण सत्र के अंत में आपका प्रशिक्षणार्थी किस प्रकार के कार्य करने योग्य हो जाना चाहिए ?" यदि आपके पास इस प्रश्न का स्पष्ट और असंदिगध (Unambiguous) उत्तर नहीं होगा तो आप और आपका प्रशिक्षणार्थी दोनों समुद्री घोडे के समान कार्य करेंगे.

इसे पढ़ते समय आप वास्तव में एक प्रशिक्षणार्थी हैं, प्रशिक्षक नहीं और इसलिए मैं आपको इस पुस्तिका का लक्ष्य स्पष्ट करूंगा और आपको यह बताऊंगा कि इसे पूरा करने के बाद आपको क्या करने के योग्य हो जाना चाहिए. इस काम के लिए हम सीखने की इकाई (Learning Unit) का उपयोग करेंगे.

lh[ku dh bdkbZ (Learning Unit)

इकाई का प्रयोजन (Purpose of Unit)

प्रशिक्षकों को प्रायः प्रशिक्षण उद्देश्य लिखने पड़ते हैं. उद्देश्य ऐसे कथन के रूप में होने चाहिए जो स्पष्ट, ठीक–ठाक और असंदिग्ध हों और जिनका उपयोग प्रशिक्षक और प्रशिक्षणार्थी दोनों कर सकें. इस सीखने की इकाई का लक्ष्य आपको यह सीखने का अवसर उपलब्ध करता है कि अच्छे उद्देश्यों की पहचान केसे की जाए और उन्हें कार्य निष्पादन के शब्दों में कैसे लिखा जाए ?

उद्देश्य (Objective)

इस इकाई के अंत में आप अच्छे ढंग से लिखे हुए और खराब ढंग से लिखे हुए उद्देश्यों में अंतर पहचान सकेंगे. आप कार्य निष्पादन शब्दावली में उद्देश्यों को भी लिख सकेंगे.

प्रवेश व्यवहार (Entry Behaviour)

मुझे विश्वास है कि समुद्री घोडे की दुःख भरी कहानी और पिछले पृष्ठ पर दी गइ प्रस्तावना के कारण आप इस सीखने की इकाई के पूरी करने के महत्व के प्रति आश्वस्त हो चुके होंगे.

मगर, यह संभव है कि आप कहें कि प्रशिक्षण उद्देश्य लिखना तो आपको पहले से आता है. बहुत अच्छा ! फिर सीखने की घटना से गुजरने की आपको आवश्यकता नहीं है. बस, आपकी योग्यता की पुष्टि करने के लिए आगे दिए गए कार्य निष्पादन मूल्यांकन को आजमाइए.

सीखने की घटना (Learning Event)

इसे अगले पृष्ठ पर शुरू होने वाले क्रमिक पाठ के रूप में दिया गया है. यदि कोई कठिनाई आए तो आपकी मदद के लिए आपके प्रशिक्षक उपलब्ध हैं. मदद मांगने में संकोच कदापि न करें.

कार्य निष्पादन आंकलन (Performance Assessment)

सीखने की घटना को पूरा करने पर आपको एक संक्षिप्त टेस्ट देना होगा. कृपया इसे हल करें.

टेस्ट के अगले पृष्ठ पर आपको प्रत्येक प्रश्न के बारे में टिप्पणियां मिलेगी. आप उत्तरों के संदर्भ में इन पर विचार करें. अपनी शंकाओं के बारे में अपने प्रशिक्षक से चर्चा करें.

ikxkEM yfux (Programmed Learning)

यह सीखने की इकाई एक क्रमिक पाठ (Programmed Text) के रूप में है जिसका अर्थ यह है कि इसे पढ़ते समय आपसे प्रश्न पूछे जाएंगे.

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक अलग कागज पर लिखने के बाद ही आप अगले पृष्ठ पर जाएंगें.

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अगले पृष्ठ पर दिया गया है ताकि आप अपने उत्तर के सही या गलत होने की जांच स्वयं कर सकें. यदि आपका उत्तर गलत हो या आप किसी प्रश्न का उत्तर न दे सके हों तो कृपया प्रश्न को फिर से पढ़ें.

कहीं–कहीं आपको कई वैकल्पिक उार भी मिलेंगे. जब आप यह तय कर लें कि सही उत्तर कौनसा है तब आप वहां दर्शाए गए संबंधित पृष्ठ को ही खोलें.

इस पाठ पर सावधानीपूर्वक और अपनी गति से काम करें. इसके लिए 30 मिनट की समय सीमा निर्धारित है. मदद की आवश्यकता होने पर प्रशिक्षक को बुलाएं.

अगले पृष्ठ पर जाइए

आप पिछले पृष्ठ पर पढ़ चुके हैं कि प्रोग्राम लर्निंग की एक विशेषता यह है कि आपको प्रश्नों के उत्तर देने होंगे और फिर यह जानकारी प्राप्त करनी होगी कि आप सही हैं या गलत. पाठ के अंत में एक टेस्ट भी है जिससे यहा जांचा जा सकता है कि आप कितना सीख चुके हैं.

प्रश्न :

इस प्रोग्राम लर्निंग का विषय क्या है ?

प्र ———————— उ ———————— कै ———————————— लि ————————————

अपना उत्तर अलग कागज पर लिखें और अगले पृष्ठ पर जाएं

उत्तर :

प्रशिक्षण उद्देश्य कैसे लिखें

जो व्यक्ति प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दे रहा है उसे शुरुआत में ही **प्रशिक्षण का उद्देश्य** निर्धारित कर लेना चाहिए. यदि ऐसा नहीं किया गया तो प्रशिक्षण अस्प्ष्ट और अर्थहीन बन सकता है.

इसके अलावा, एक प्रशिक्षक के रूप में आप यह चाहते हैं कि आपके प्रशिक्षणार्थी उस कार्य निष्पादन को प्राप्त करें जिसका कथन प्रशिक्षण उद्देश्य में दिया गया है.

प्रश्न :

एक प्रशिक्षक के रूप में आप चाहते हैं कि आपके प्रशिक्षणार्थी

प्रशिक्षण उद्देश्य में दिए गए कार्य निष्पादन को प्रा ———————————— .

खाली स्थान में लिखने के लिए उचित शब्दों को आने कागज पर लिखें और अगले पृष्ठ पर जाएं

उत्तर :

प्रशिक्षण उद्देश्य प्राप्त करें.

प्रशिक्षक द्वारा प्रशिक्षण उद्देश्य निर्धारित किए जाने का तब तक कोई मतलब नहीं होता जब तक वह यह सुनिश्चित न करे कि उद्देश्य प्राप्त हो गया है.

प्रश्न :

समस्त प्रशिक्षण का संबंध कार्य निष्पादन प्राप्त करने से है :

अतः प्रशिक्षण का उ———————— स्पष्ट रूप से परिभाषित कार्य नि. ——————————— प्राप्त करना है

लुप्त शब्दों को अपने कागज पर लिखें और अगले पृष्ठ पर जाएं

उत्तर :

प्रशिक्षण का उद्देश्य स्पष्ट रूप से परिभाषित कार्य निष्पादन प्राप्त करना है.

जब हम उद्देश्य लिखते है तो उसे कार्य निष्पादन की शब्दों में लिखना तर्कसंगत होगा।

प्रश्न :

दूसरे शब्दों में, प्रशिक्षण उद्देश्य हमें यह बताता है कि सीखने की इकाई के अंत में प्रशिक्षणार्थी क्या क———————— सकेगा.

लुप्त शब्द अपने कागज पर लिखें और अगले पृष्ठ पर जाएं

उत्तर :

सीखने की इकाई के अंत में प्रशिक्षणार्थी कर सकने योग्य होगा.

प्रशिक्षण उद्देश्य में कार्य निष्पादन का ऐसा कथन होगा चाहिए जिसमें क्रिया हो, जैसे सूची बनाना, लिखना, टाइप करना, साक्षात्कार लेना, उपकरण का उपयोग करना, आदि. कार्य निष्पादन के कथन के बारे में यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए कि क्या कार्य निष्पादन का अवलोकन (Observation) या मापन किया जा सकता है या नहीं. यदि नहीं किया जा सकता तो इसका मतलब है यह अस्पष्ट है और उसमें किसी क्रियातमक शब्द को जोड़ कर सुधार करने की आवश्यकता है. क्रिया ऐसी हो जिसका अवलोकन या मापन किया जा सकें.

प्रश्न :

निम्नलिखित में से कौनसा कथन कार्य निष्पादन के शब्दों में लिखा हुआ है ?

(क) प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षण उद्देश्यों का अर्थ समझ सकेंगे*
(ख) प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षण उद्देश्य लिख सकेंगे**

*** यदि आपकी राय में यह निष्पादन के शब्दों में लिखा हुआ है तो पृष्ठ 10 पर जाइए**
**** यदि आपकी राय में यह निष्पादन के शब्दों में लिखा हुआ है तो पृष्ठ 11 पर जाइए**

आप कहते है :

`प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षण उद्देश्यों का अर्थ समझ सकेंगे'

ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि यह कार्य निष्पादन शब्दावली में लिखा हुआ है, किंतु इसमें यह कथन नहीं है कि प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण के अंत में क्या कर सकेंगे. इसमें कोई क्रियातमक शब्द नहीं है.

कम्प्यूटर कैसे काम करता है यह आप समझ भी जाएं तो भी यह जरूरी नहीं कि आप उसे चला सकेंगे या उससे कोई काम कर सकेंगे.

कार्य निष्पादन कथन हमेशा यह बताता है कि सीखने की इकाई के अंत में वह व्यक्ति क्या कर सकेगा ?

पृष्ठ 9 पर वापस जाइए और उसे फिर से पढिए. यदि इसके बाद भी आप सोचें कि (क) ही सही उत्तर है, तो प्रशिक्षक को बुलाइए.

उत्तर :

`प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षण उद्देश्य लिख सकेंगे'

यह प्रशिक्षण उद्देश्य कार्य निष्पादन शब्दावली में लिखा हुआ है क्योंकि इसमें यह कथन है कि सीखले की इकाई के अंत में प्रशिक्षणार्थी क्या कर सकेंगे, यानी लिख सकेंगे.

प्रश्न :

इन दो विकल्पों में से एक को चुनिए :

(क) प्रशिक्षणार्थी यह समझ सकेंगे कि यात्रा देयक कैसे बनाया जाता है *

(ख) प्रशिक्षणार्थी यात्रा देयक बना सकेंगे **

* यदि आपकी राय में यह कार्य निष्पादन के शब्दों में लिखा हुआ है तो पृष्ठ 12 पर जाइए.

** यदि आपकी राय में यह कार्य निष्पादन के शब्दों में लिखा हुआ है तो पृष्ठ 13 पर जाइए.

यदि प्रशिक्षणार्थी यह समझ जाए कि यात्रा देयक कैसे बनाया जाता है तो क्या वह वास्तव में सही प्रपत्र चुन कर यात्रा देयक बना सकेगा ? निम्न के बीच अन्तर देखें

* समझने योग्य होना **सिद्धान्त**
* तैयार करने योग्य होना **व्यवहार**

यात्रा देयक बनाने के सिद्धांत और व्यवहार के बीच बहुत अंतर है.

पृष्ठ 11 पर वापस जाइए, उसे फिर से पढ़िए और दूसरे विकल्प पर विचार कीजिए.
यदि आप अब भी (क) को चुनते हैं तो प्रशिक्षक से विचार–विमर्श कीजिए.

उत्तर :

`प्रशिक्षणार्थी यात्रा देयक बना सकेंगे'

कार्य निष्पादन के शब्दों में लिखा गया यह सही कथन है. यह बताता है कि सीखने की इकाई (जिसका उद्देश्य यात्रा देयक बनाना सिखाना है) पूरी करने के बाद व्यक्ति क्या कर सकेगा.

आप समझ गए होंगे कि अच्छे प्रशिक्षण उद्देश्य में ऐसी कार्य निष्पादन के शब्दों में होती है जिसमें किसी कार्य का स्पष्ट कथन होता है, न कि अस्पष्ट कथन जिसे न तो देखा जा सके और न नापा जा सके. निम्नलिखित कुछ अस्पष्ट शब्दों के कथन हैं जिनके उपयोग से बचना चाहिए :

- समझना (Understanding)
- जानना (Known)
- प्रशंसा (Appreciate)
- बोध होना
- ग्राह्य

गैर–कार्य निष्पादन के शब्दों में किए गए उद्देश्य कथन का उदाहरण यहां दिया जा रहा है :

`प्रशिक्षणार्थी यह वास्तव में जान जाएंगे कि चाकू की धार कैसे लगाई जाती है.'

क्रियात्मक शब्द का उपयोग करते हुए इसे कार्य निष्पादन शब्दावली में अपने कागज पर लिखिए और फिर अगले पृष्ठ पर जाइए

उत्तर :

इसे कुछ इस प्रकार लिखा जाना चाहिएः `प्रशिक्षणार्थी चाकू की धार लगा सकेंगे.' गौर करें कि क्रियात्मक शब्द ***`धार लगाना'*** है.

हमने यह देखा कि उद्देश्य के कार्य निष्पादन से संबंधित भाग को कैसे लिखा जाए. इसका मतलब यह है कि उद्देश्य में यह कथन होना चाहिए कि सीखने की इकाई के अंत में प्रशिक्षणार्थी क्या **कर** सकेंगे.

प्रश्न :

यहॉ कार्य निष्पादन वाक्यों के कुछ उदाहरण दिये गये है। इनमें से कौन से वाक्य कार्य निष्पादन के शब्दों में लिखे गये है व उनमें क्रियात्मक शब्द सम्मिलित है?

1. प्रशिक्षणार्थी सेवा नियमों का वास्तव में सत्यापन कर सकेंगे.
2. प्रशिक्षणार्थी अर्द्धशास्कीय पत्र टाइप कर सकेंगे.
3. प्रशिक्षणार्थी यह समझ सकेंगे कि व्याख्यान कैसे दिया जाए.
4. प्रशिक्षणार्थी प्रतिशत की गणना कर सकेंगे.
5. प्रशिक्षणार्थी केलकुलेटर का उपयोग कर सकेंगे.
6. प्रशिक्षणार्थी भंडार क्रय नियमों के सिद्धांत समझ सकेंगे.

अपने कागज पर उन कथनों के क्रमांक लिखें जो आपकी राय में कार्य निष्पादन के शब्दों में लिखें हुए हैं और फिर अगले पृष्ठ पर जाइए

उत्तर :

कथन क्रमांक 2, 4 और 5 कार्य निष्पादन के शब्दों में लिखे गए हैं.

यदि आपने कोई गलती की है तो अच्छा होगा कि आप पृष्ठ 5 पर वापस जाएं और सीखने की इकाई को दोहराएं.

कार्य निष्पादन के शब्दों में उद्देश्य के लेखन को **कार्य निष्पादन** कथन कहते हैं.

प्रश्न :

क्या नीचे दिया गया प्रश्न कार्य निष्पादन कथन का अच्छा उदाहरण है ?
`प्रशिक्षणार्थी, साक्षात्कार लेने के सिद्धांतों को पूरी तरह ग्राह्य सकेंगे.'

यदि आपकी राय में यह कार्य निष्पादन के शब्दों में लिखा हुआ है तो पृष्ठ 16 पर जाएं
यदि आपकी राय में यह कार्य निष्पादन के शब्दों में नहीं लिखा है तो पृष्ठ 17 पर जाएं

आप कहते है :

`प्रशिक्षणार्थी साक्षात्कार लेने के सिद्धांतों को पूरी तरह ग्राह्य कर सकेंगे'

दुर्भाग्य से, यह कार्य निष्पादन का अच्छा उदाहरण नहीं है क्योंकि `पूरी तरह ग्राह्य कर सकना' एक अस्पष्ट शब्द है जिसका न तो अवलोकन किया जा सकता है न ही मापन. क्या यह कहना बेहतर नहीं होगा "साक्षात्कार ले सकेंगे" ? इस कार्य निष्पादन का अवलोकन किया जा सकता है.

पृष्ठ 15 पर वापस जाइए, उसे फिर से पढ़िए और `नहीं' विकल्प पर विचार कीजिए
यदि कोई कठिनाई हो तो अपने प्रशिक्षक से मिलिए.

उत्तर :

`प्रशिक्षणार्थी, साक्षात्कार लेने के सिद्धांतों को पूरी तरह ग्राह्य कर पाएगें'

निश्चित रूप से यह निष्पादन कथन का अच्छा उदाहरण नहीं है. इसे इस प्रकार लिखना बेहतर होगा :

`प्रशिक्षणार्थी साक्षात्कार ले सकेंगे'

प्रश्न :

प्रशिक्षण उद्देश्य लिखते समय यह सावधानी बरतनी चाहिए कि विवरण देने के बजाए उन क्रियाओं का कथन देना चाहिए जिन्हें प्रशिक्षणार्थी कार्य नि ——————— के संदर्भ में कर सकेंगे.

अपने कागज पर लुप्त शब्द लिखिए और अगले पृष्ठ पर जाइए

उत्तर :

उस क्रिया का कथन **कार्य निष्पादन** के शब्दों में कीजिए जिसे प्रशिक्षणार्थी कर पाएगा.

अगले पृष्ठ पर जाइए

dk;Z fu"iknu vkdyu

इस क्रमिक पाठ को पूरा कर लेने के बाद यह अपेक्षा की जा सकती है कि आप उन प्रशिक्षण उद्देश्यों को पहचान सकेंगे जिनमें कार्य निष्पादन का स्पष्ट कथन है. नीचे दिए उदाहरणों को देख कर यह पहचानिए कि कौन से अच्छे ढंग से लिखे हैं और कौन से खराब ढंग से. यह भी नोट करें कि जो आपकी राय में खराब हैं उनमें आप सुधार कैसे करेंगे ?

1. प्रशिक्षणार्थी ओव्हरहेड प्रोजेक्टर का उपयोग कर सकेंगे.
2. प्रशिक्षणार्थी ओहम के नियम को समझ सकेंगे.
3. प्रशिक्षणार्थी प्राथमिक उपचार के मूल सिद्धांतों को ग्राह्य कर सकेंगे.
4. प्रशिक्षणार्थी यह विवरण दे सकेंगे कि बैठक का संचालन कैसे किया जाए.
5. प्रशिक्षणार्थी, आधार–सामग्री प्रबन्धन (Data Management) में कम्प्यूटर के उपयोग के लाभों को समझेंगे.
6. प्रशिक्षणार्थी व्याख्यान की तैयारी सावधानीपूर्वक करने की आवश्यकता के प्रति सजग होंगे.
7. प्रशिक्षणार्थी यह जान सकेंगे कि ओव्हरहेड प्रोजेक्टर को कैसे फोकस किया जाए.
8. प्रशिक्षणार्थी, चर्चा को प्रभावित करने वाले दो प्रमुख कारकों को समझ सकेंगे.

यदि एक बार आपने इन उदाहरणों को पूरा कर लिया हो तो अगले पृष्ठ पर दी गई टिप्पणियों के लिये पृष्ठ पलटें .

1. प्रशिक्षणार्थी ओवहरहेड प्रोजेक्टर का उपयोग कर सकेंगे.

`उपयोग करना' ऐसी क्रिया है जिसका अवलोकन किया जा सकता है और उद्देश्य में कार्य निष्पादन कथन शामिल है. यह रोचक बात है कि यहां जिस क्रियात्मक शब्द का उपयोग किया गया है उसके लिए ज्ञान और कौशल दोनों की आवश्यकता है और उद्देश्य को अन्य विधि, जैसे व्याख्यान, से प्राप्त नहीं किया जा सकता.

2. प्रशिक्षणार्थी, ओहम के नियम को समझ सकेंगे.

एक खराब कथन है. कार्य–निष्पादन का अवलोकन या मापन नहीं किया जा सकता. यदि कोई प्रशिक्षणार्थी `समझ' भी जाए तो वह वास्तव में क्या कर सकेगा ?

3. प्रशिक्षणार्थी, प्राथमिक उपचार के मूल सिद्धांतों को ग्राह्य कर सकेंगे.

खराब कथन. संभवतया `प्राथमिक उपचार के मूल सिद्धांत' का संबंध ज्ञान से है. इसे प्रशिक्षणार्थी कैसे समझेगा ? कुल कितने `मूल सिद्धांत हैं ?

4. प्रशिक्षणार्थी यह विवरण दे सकेंगे कि बैठक का संचालन कैसे किया जाए ?

`विवरण देना' एक मापन योग्य क्रिया है. अतः कार्य निष्पादन कथन संतोषजनक है. किंतु यह ध्यान देने योग्य है कि यदि प्रशिक्षणार्थी बैठक का संचालन कैसे करना इसका विवरण दे भी सके, फिर भी वह वास्तव में बैठक का संचालन नहीं कर सकेगा. इसके लिए एक अलग उद्देश्य और सीखने की घटना की आवश्यकता होगी जिसमें कौशल प्रशिक्षण को शामिल करना होगा.

5. प्रशिक्षणार्थी आधार–सामग्री में कम्प्यूटर के उपयोग के लाभों को समझेंगे.

यह बुरा नहीं है, किंतु इसे बेहतर बनाया जा सकता है. यदि आपको व्याख्यान के लिए यह उद्देश्य दिया जाए तो यह उम्मीद की जा सकती है कि आप प्रशिक्षणार्थियों को कम्प्यूटर का उपयोग करने के फायदों के प्रति आश्वस्त कर सकें. किंतु व्याख्यान के अंत में मूल्यांकन कैसे किया जाएगा ? यदि उद्देश्य में कोई ऐसा कार्य निष्पादन कथन शामिल कर लिया जाए (जैसे कम्प्यूटर के उपयोग के 5 लाभों की सूची बना सकेंगे) तो आप प्रशिक्षणार्थियों से लाभों की सूची बनवा कर आंकलन कर सकते हैं.

6. प्रशिक्षणार्थी व्याख्यान की तैयारी सावधानीपूर्वक करने की आवश्यकता के प्रति सजग होंगे.

यह भी बहुत अच्छा उद्देश्य नहीं है. इसमें `सावधानी पूर्वक' शब्द तो शामिल किया गया है किंतु इसके साथ ही `सजग होंगे' भी है. यह क्रियात्मक कथन न होने के कारण कार्य निष्पादन अस्पष्ट होता है और इसका मापन नहीं किया जा सकता.

7. प्रशिक्षणार्थी यह जान सकेंगे कि ओव्हरहेड प्रोजेक्टर को कैसे फोकस किया जाए.

ऐसा लगता है कि उद्देश्य के बारे में स्पष्टता न होने के कारण अधिक शब्दों को अनावश्यक रूप से जोड़ा गया है. वास्तव में इस उद्देश्य में दो उद्देश्य शामिल हैं, एक में `फोकस कर सकेंगे' और दूसरे में `कैसे फोकस करना यह जान सकेंगे. पहले का मापन किया जा सकता है क्योंकि आप प्रशिक्षणार्थी को फोकस करते हुए देख सकते हैं. दूसरे में तो प्रशिक्षणार्थी को केवन `जानना' है जिसका अवलोकन या मापन नहीं किया जा सकता.

8. प्रशिक्षणार्थी चर्चा प्रभावित करने वाले दो प्रमुख कारकों को समझ सकेंगे.

आपके ध्यान में यह बात आई होगी कि `समझना' उसी प्रकार का शब्द है जेसे `जानना'. अतः यह उद्देश्य खराब है. एक अन्य त्रुटि `दो प्रमुख कारक' है. क्या प्रमुख कारक दो ही है? यदि दो से अधिक हैं तो क्या अन्य कोई प्रशिक्षक, इसका कुछ और अर्थ लेकर प्रशिक्षणार्थियों को कोई दूसरे दो कारक बता सकता है. आदर्श स्थिति में उद्देश्य स्पष्ट और असंदिग्ध होना जरूरी है ताकि सभी प्रशिक्षकों के लिए उपका एक ही अर्थ हो.